विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला
25-26 जुलाई, 2024
भारतीय ज्ञान परंपरा एवं प्रबन्धन: भ्रांतिया या वास्तविकता

इंदौर : एक नज़र

इंदौर, मध्य प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी, अपने जीवंत सांस्कृतिक जीवन और आधुनिक प्रगति के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर शिक्षा, चिकित्सा, और उद्योग के क्षेत्रों में अग्रणी है, और यहाँ की जीवन शैली में पारंपरिक और आधुनिक तत्वों का अनूठा संगम देखने को मिलता है। अहिल्याबाई होलकर के शासनकाल में इंदौर एक समृद्ध प्रशासनिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरा, जिसके प्रमाण राजवाड़ा महल और लाल बाग पैलेस जैसे ऐतिहासिक स्थल हैं। यहाँ की सांस्कृतिक जीवनशैली में विविधता है, जहाँ के लोग त्योहारों को धूमधाम से मनाते हैं और सर्राफा बाजार और 56 दुकान जैसी जगहों पर स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इंदौर ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इसके अलावा, अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के कारण यह क्षेत्रीय स्वास्थ्य केंद्र के रूप में भी जाना जाता है। औद्योगिक और आईटी हब के रूप में, इंदौर में आईटी पार्क और औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना हुई है, जिसने इसे एक उभरता हुआ तकनीकी हब बना दिया है। शहर को लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहरों में स्थान प्राप्त हुआ है, और यह पर्यटकों के लिए भी एक आकर्षक गंतव्य है, जहाँ कांच मंदिर, खजराना गणेश मंदिर, और पातालपानी झरना जैसे स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इंदौर अपने ऐतिहासिक महत्व, सांस्कृतिक धरोहर, शैक्षणिक उत्कृष्टता, और औद्योगिकप्रगति के कारण विशिष्ट पहचान रखता है, यह शहर न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे भारत में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कार्यशाला

भारत की ज्ञान प्रणाली गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और आध्यात्मिकता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में फैली हुई है, जिसे हजारों वर्षों में विकसित किया गया है। यह प्राचीन ग्रंथों जैसे वेद और उपनिषदों में निहित है, और ध्यानपूर्ण अन्वेषण, सहज समझ और वास्तविक अवलोकन से मिली अंतर्दृष्टियों को मिलाती है। इस समृद्ध परंपरा ने मानवता की बौद्धिक और आध्यात्मिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, स्थायी मूल्य और पद्धतियाँ प्रदान की हैं। शून्य और दशमलव प्रणाली जैसे मूलभूत अवधारणाओं से लेकर जटिल दार्शनिक विमर्श और आयुर्वेद जैसी उन्नत चिकित्सा प्रणालियों तक, भारतीय ज्ञान प्रणाली विचारों और पद्धतियों का एक व्यापक स्पेक्ट्रम प्रदर्शित करती है। भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) पर कार्यशाला का उद्देश्य उच्च शिक्षा में भारत के प्राचीन ज्ञान को शामिल करना है। आजीवन सीखने की क्षमताओं को बढ़ावा देने में भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को उजागर करते हुए, कार्यशाला समकालीन शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिए इंटरैक्टिव सत्र प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, यह पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत करने के लिए रणनीतियाँ प्रस्तुत करती है, सफल प्रथाओं और संस्थागत

उपलब्धियों से प्रेरणा लेती है। कार्यशाला में प्रबन्धन के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा की व्याख्या की जाएगी

विश्वविद्यालय

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय एक राज्य निजी विश्वविद्यालय है, जो मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2015 के तहत इंदौर, मध्य प्रदेश (भारत) में स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से मानवता के लिए बेहतर भविष्य बनाने में अग्रणी बनना है। विश्वविद्यालय ने जुलाई 2016 से अपने पहले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत की, और निम्नलिखित घटक संस्थानों के माध्यम से विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर, एकीकृत, दोहरी डिग्री और डॉक्टोरल कार्यक्रम संचालित करता है:

- श्री वैष्णव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान
- श्री वैष्णव सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
- श्री वैष्णव वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान
- श्री वैष्णव वास्तुकला संस्थान
- श्री वैष्णव प्रबंधन स्कूल
- श्री वैष्णव पत्रकारिता और जनसंचार संस्थान
- श्री वैष्णव ललित कला संस्थान
- श्री वैष्णव विज्ञान संस्थान
- श्री वैष्णव सामाजिक विज्ञान, मानविकी और कला संस्थान
- श्री वैष्णव कंप्यूटर अनुप्रयोग संस्थान
- श्री वैष्णव कृषि संस्थान
- श्री वैष्णव गृह विज्ञान और अनुसंधान संस्थान
- श्री वैष्णव पेरामेडिकल विज्ञान संस्थान
- श्री वैष्णव फार्मेसी संस्थान
- श्री वैष्णव शिक्षा संस्थान
- श्री वैष्णव वाणिज्य संस्थान
- श्री वैष्णव विधि स्कूल

कार्यशाला की रूपरेखा

प्रथम दिन

पंजीयन	:	10.30 - 11.00
उद्घाटन सत्र	:	11.00 - 12.00
स्वल्पाहार	:	12.00 - 12.30
विषय विशेषज्ञ द्वारा प्रथम बिज वक्तव्य	:	12.30 - 2.00
भोजनावकाश	:	2.00 - 3.00
विषय विशेषज्ञ द्वारा द्वितीय बिज वक्तव्य	:	3.00 - 4.30
समाहार सत्र एवं आभार	:	4.30 - 5.00

द्वितीय दिन

विषय विशेषज्ञ द्वारा तृतीय बिज वक्तव्य	:	10.30 - 12.00
स्वल्पाहार	:	12.00 - 12.30
विषय विशेषज्ञ द्वारा चतुर्थ बिज वक्तव्य	:	12.30 - 2.00
भोजनावकाश	:	2.00 - 3.00
समापन सत्र	:	3.00 - 4.00

संरक्षक

श्री पुरूषोत्तमदास पसारी, कुलाधिपति, एसवीवीवी

डॉ. उपिंदर धर, कुलगुरु, एसवीवीवी

मार्गदर्शन

'डॉ. संतोष धर, रेक्टर और डीन, एफडीएसआर, एसवीवीवी

मुख्य समन्वयक

डॉ.आनंद राजावत, डीन एकेडमिक, एसवीवीवी

समन्वयक

सुकृती अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, एसवीवीवी

नीरज मेहता, सहायक प्रोफेसर, एसवीवीवी

अभिषेक शर्मा, प्रशिक्षक , एसवीवीवी

पंजीकरण

राष्ट्रीय कार्यशाला में पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 22 जुलाई 2024 है। पंजीयन पूर्णत: नि:शुल्क है

पंजीकरण लिंक

https://forms.gle/rEKZ9JjYQ3CJF7WNA

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

डॉ.आनंद राजावत, डीन एकेडमिक, एसवीवीवी

संपर्क : 9406661557

: